बाबा अपने बच्चों को किस-किस चीज से भेंट करते हैं उसके कुछ उदाहरण

रतन - तुम बच्चे बहुत वैल्युबल रतन हो, ग्रहचारी उतारने को लोग अष्ट रतनों की अंगूठी पहनते हैं।

फूल - तुम बच्चे अभी खुशबूदार फूल बनते हो, दैवी गुणों की खूशबू फैलाते हो।

भ्रमरी - तुम बच्चे भ्रमरी की तरह भूं-भूं कर औरों को भी आप समान बनाते हो।

परवाने - तुम बच्चे सच्चे-सच्चे परवाने हो जो एक बाप पर फिदा हो जाते हो।

गाय - तुम बच्चे गाय की तरह ज्ञान की जुगाली अर्थात् मनन-चिन्तन करते हो।

हाथी - तुम बच्चे बड़ी-बड़ी सेवाएं करके महारथी बनते हो।

सन्यासी - अब तुम बच्चों ने पांच विकारों, पुरानी दुनिया से बेहद का सन्यास किया है।

पार्वती - तुम आत्माएं सच्ची-सच्ची शिव की पार्वतियां हों।

सीता - तुम आत्माएं निराकार राम की सच्ची-सच्ची सीताएं हो।

बुलबुल - तुम ज्ञान की टिकलू-टिकलू करने वाली बुलबुल हो।

हंस - तुम बच्चे हंस समान अवगुण रूपी कंकड़ छोड़ गुण रूपी मोती चुगते हो।

कछुआ - कछुए की तरह तुम बच्चे अपनी कर्मेन्दियां समेट लेते हो।

शेर - तुम शेरनियां हो, तुम्हें अब ललकार करनी है कि बाप आया है.....।

चात्रक - तुम चात्रक की तरह ज्ञान की एक-एक बूंद को पी जाते हो।

तोता - तुम बच्चे तोते की तरह बाप के ज्ञान को हूबहू रिपीट कर सुनाते हो।

चिड़िया - तुम ज्ञान सागर बाप के सारे ज्ञान को हप कर लेती हो।

सांप - तुम बच्चे भविष्य सतयुग में अपना शरीर स्वेच्छा से छोड़ते हो, सर्प का मिसाल है ना।

मणि - तुम बच्चे सिवाए मणि के कुछ देखो ही नहीं।

चूहा - तुम चूहे मुआफिक प्यार से फूंक मारकर आत्माओं को बाप का बनाते हो।

अजगर - ज्ञान का मनन चिन्तन करते रहे तो माया अजगर के पेट में जाने से बच जाएंगे।

भैंस - ज्ञान रतनों को नजरअंदाज कर भैंसबुद्धि नहीं बनना है।

बकरी - तुम शिवशक्तियां शेरिनयां हो, नाजुक बकरियां नहीं हो।

कबूतर - माया बिल्ली को आते देख दिव्यनेत्र बंद नहीं करना है।

कांटे - तुम्हें पुरुषार्थ में ड्रामा कहकर जंगली कांटों रूपी ख्यालात नहीं करने हैं।

पण्डा - तुम बच्चे हो सच्चे-सच्चे पण्डे, सबको मुक्ति जीवनमुक्ति का रास्ता दिखाने वाले।

आर्मी -तुम रूहानी आर्मी हो, ज्ञान-योग के अस्त्र-शस्त्र से माया पर जीत प्राप्त करते हो।

डॉक्टर - तुम रूहानी डॉक्टर हो जो आत्माओं को मनमनाभव का रूहानी इंजेक्शन लगाते हो।

और भी चिन्तन कर सकते हैं.....। **ओम् शान्ति**